फसलें होंगी हरीभरी और चमकदार, बढ़ेगी पैदावार

जीवामृत: कम लागत में बंपर उपज का फॉर्मूला

पत्रिका एग्रोटेक डेस्क@जयपुर

प्राकृतिक खेती की ओर बढ़ते कदमों के बीच 'जीवामृत' किसानों के लिए एक वरदान है। यह न केवल मिट्टी की उर्वरक शक्ति को बढ़ाता है, बल्कि रासायनिक खादों पर होने वाले भारी खर्च को भी बहुत कम कर देता है। जीवामृत एक ऐसा प्राकृतिक घोल है, जो मिट्टी में सूक्ष्मजीवों की संख्या को तेजी से बढ़ाता है। रासायनिक खादों के निरंतर प्रयोग से मृत हो चुकी मिट्टी को पुनर्जीवित करने के लिए जीवामृत महत्त्वपूर्ण है। इसे बनाने के लिए आपको बाजार जाने की जरूरत नहीं है।

ये है प्रक्रिया

इसमें डाली जाने वाली एक मुट्ठी मिट्टी 'कल्चर' का काम करती है। पीपल-वट वृक्ष के नीचे की मिट्टी में पहले से ही लाभकारी बैक्टीरिया मौजूद होते हैं, जो पूरे घोल में फैल जाते हैं। पूरे मिश्रण को डंडे से घड़ी की सूई की दिशा में 2-3 मिनट तक घुमाएं। इसके बाद ड्रम को जूट की बोरी से ढक कर छायादार स्थान पर रख दें। इसे धूप से बचाना अनिवार्य है। अगले 5 से 7 दिनों तक सुबह-शाम इस घोल को डंडे से घुमाते रहें। गर्मियों में यह 4-5 दिन में और सर्दियों में 7-8 दिन में पूरी तरह तैयार हो जाता है। तैयार होने पर इसमें से सोंधी महक आने लगती है।

इस विधि से तैयार करें घोल

किसान भाइयों को दो सौ लीटर जीवामृत बनाने के लिए इस सामग्री आवश्यकता होगी। दस किलो देसी गाय का गोबर। 5 से 10 लीटर गोमूत्र। 1 से 2 किलो गुड़ (पुराना हो तो बेहतर)। 1 से 2 किलो बेसन। एक मुट्ठी खेत की मेंड़ या वट-पीपल के पेड़ के नीचे की मिट्टी। सबसे पहले एक बड़े प्लास्टिक ड्रम में 200 लीटर पानी भरें। इसमें 10 किलो गोबर और गोमूत्र डालकर अच्छी तरह किसी लकड़ी की सहायता से मिला लें। ध्यान रखें कि ड्रम प्लास्टिक या सीमेंट का हो, लोहे का नहीं। अब इस घोल में गुड़ और बेसन मिलाएं। गुड़ सूक्ष्मजीवों के लिए भोजन का काम करता है, जिससे उनकी संख्या करोड़ों में बढ़ जाती है। बेसन प्रोटीन का स्रोत बनकर इस प्रक्रिया को और तेज कर देता है।

एक एकड़ में इतना

जीवामृत को सिंचाई के पानी के साथ सीधे खेत में दिया जा सकता है। एक एकड़ जमीन के लिए 200 लीटर जीवामृत पर्याप्त होता है। इसे छानकर फसलों पर स्प्रे के रूप में भी इस्तेमाल किया जा सकता है।

मिट्टी के लिए लाभकारी

जीवामृत के उपयोग से जमीन में केंचुओं की गतिविधि बढ़ती है। यह मिट्टी के पीएच मान को संतुलित करता है। पौधों की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है, जिससे फसलें हरी-भरी और चमकदार होती हैं। खाद पर खर्च बहुत कम होता है। अनाज-सब्जियां शुद्ध-स्वास्थ्यवर्धक होती हैं।

पत्रिका एग्रोटेक
राजस्थान पत्रिका, 5-ई, झालाना संस्थानिक क्षेत्र, जयपुर (राज.)
हमें ई-मेल करें... agro.patrika@in.patrika.com

पशु पालन: बदलते मौसम में अश्वों के लिए जानलेवा हो सकता है 'कॉलिक पेन'

अश्व के लिए नियमित व्यायाम और संतुलित आहार जरूरी

मोतीराम प्रजापत @चौसला, नागौर

मौसम में आ रहे बदलाव के साथ अश्व वंश (घोड़ा, खच्चर इत्यादि) में कॉलिक पेन (पेट दर्द) के मामले बढ़ जाते हैं। पशु चिकित्सक इसे गंभीर विषय मानते हुए पशुपालकों से विशेष सावधानी रखने की सलाह देते हैं। पशु चिकित्सकों के अनुसार तापमान बढ़ने पर पानी की कमी, चारे में अचानक बदलाव और अनियमित देखभाल कॉलिक पेन के कारण बन रहे हैं। समय रहते आवश्यक उपाय-चिकित्सा करवा कर इस समस्या से पशुओं को बचाया जा सकता है।

रोग के कारण

सर्दी में कम पानी पीना, सूखा या नमी युक्त चारा देना, चारे में अचानक परिवर्तन, अनियमित डीवर्मिंग, खनिज तत्त्वों की कमी और कम या असंतुलित व्यायाम सहित कई कारण से यह समस्या उत्पन्न होती है।

दिखाई देते हैं लक्षण

बार-बार पेट की ओर देखना, जमीन पर लोटना या पैर पटकना, बेचैनी व पसीना आना, खाना छोड़ देना, गोबर कम या बंद हो जाना, जैसे लक्षण दिखाई दें तो नजदीकी पशु चिकित्सक से तुरंत संपर्क करें। देरी जानलेवा साबित हो सकती है।

सावधानियां भी जरूरी

एक साथ अधिक दाना देने से पाचन तंत्र पर दबाव बढ़ता है। इसलिए दिन में कई बार कम मात्रा में दाना दें। पानी की टंकी को साफ रखें, गंदा पानी पेट संबंधी समस्या बढ़ा सकता है। पशु को लंबे समय तक बांधकर न रखें। पर्याप्त खुली गतिविधि पाचन के लिए लाभकारी है। पशु को ट्रांसपोर्ट के बाद इलेक्ट्रोलाइट व पर्याप्त पानी दें। डीवर्मिंग, टीकाकरण व आहार परिवर्तन का लिखित रेकॉर्ड रखें, इससे समस्या की पहचान आसान होगी।

घोड़ा के पाचन तंत्र में हल्की गड़बड़ी भी गंभीर रूप ले सकती है। छोटी-छोटी सावधानियां अपनाकर कॉलिक पेन जैसी गंभीर समस्या को रोका जा सकता है। मौसम परिवर्तन के दौरान पशुपालक विशेष सतर्क रहें।
- डॉ.भगत सिंह, जिला रोग निदान इकाई इंचार्ज, उपनिदेशक, पशुपालन विभाग डीडवाना

नमी या फफूंद युक्त चारा बिल्कुल न दें

अश्व को स्वच्छ व पर्याप्त पानी उपलब्ध कराएं। नमी या फफूंद युक्त चारा बिल्कुल न दें। नया चारा पहले 25 फीसदी से कम मात्रा में मिलाएं, फिर धीरे-धीरे बढ़ाएं, ताकि आंतें अनुकूल हो सकें। संभव हो तो नियमित हरा चारा दें। नियत समय पर डीवर्मिंग की दवा की मात्रा पशु के वजन के अनुसार ही दें। दाने के साथ मिनरल मिक्सचर अनिवार्य रूप से दें। अश्व को नियमित व संतुलित व्यायाम आवश्यक रूप से करवाएं। कब्ज की स्थिति में इसबगोल की भूसी दाने में मिलाकर दें। विश्राम के दिनों में दाना आधा रखें। पशु बार-बार मिट्टी खा रहा हो तो पशु चिकित्सक की सलाह लें।

फल तोड़ने में करें उपकरणों का इस्तेमाल

पत्रिका एग्रोटेक डेस्क@जयपुर

फलों-सब्जियों को पेड़-पौधों और लताओं से तोड़ने में यदि आधुनिक तकनीकों को काम में लिया जाए तो फल-सब्जियों तोड़ने में होने वाले नुकसान को कम कर सकते हैं। साथ ही समय की बचत और फलों व सब्जियों को क्षति नहीं होगी। इससे उनके उपयोग-भण्डारण समय में वृद्धि होगी।

कीटों से बचाएं

फल-सब्जियों को सदैव परिपक्व अवस्था में हाथ या हारवेस्टर से सुबह तोड़ें। पत्तेदार सब्जियां प्रातः या सायंकाल में तोडें। फलों को तोड़ते समय ध्यान रखें कि वे भूमि पर न गिरें और न किसी प्रकार की खरोंच न आए। फलों-सब्जियों को तोड़ने के बाद छायादार स्थान में जमीन पर बिछे टाट-प्लास्टिक सीट पर रखें, ताकि मिट्टी- फफूंद व कीटों के सम्पर्क में न आएं।

ऐसे होगा काम आसान

फल वृक्षों से फलों को हिलाकर नहीं तोड़ें। ऊंची मेज-स्टूल या हल्की सीढ़ियों का फल तोड़ने के लिए उपयोग करें। केले को लगभग तीस सेमी डंठल के साथ काटें, ताकि उसे संभालने में सुविधा रहे। माल्टा-नींबू की कैंची से कटाई करें। अंगूर को गुच्छों को डंठल सहित कैंची से काटें। पपीता को हाथ से पकड़ कर या फिर उसे मोड़ कर तोड़ें। लीची के गुच्छों को थोड़ी सी टहनी के साथ तोड़ें या कैंची से काट लें।

कुट्टी करके खिलाएं पशुओं को चारा, बढ़ेगा दूध का उत्पाद, मवेशी रहेंगे स्वस्थ

पशुओं को मिलता है संतुलित आहार, भंडार करना भी आसान

पत्रिका एग्रोटेक डेस्क@जयपुर

हरे चारे के उपयोग से पशुओं को आवश्यकता अनुसार विटामिन-ए, अन्य विटामिन्स और मिनरल्स मिलते हैं। इसलिए पशुपालक पशुधन अधिक उत्पादन हेतु संतुलित आहार खिलाएं। पशुओं को खिलाने के लिए पशुपालक चारा स्वयं उगाता है या फिर कहीं ओर से खरीद कर पशुओं को खिलाता है। चारे को अधिकांशतः हरी अवस्था में पशुओं को खिलाया जाता है और अतिरिक्त मात्रा को सुखाकर भविष्य में प्रयोग करने के लिए भण्डारण कर लिया जाता है, ताकि चारे की कमी के समय उसका उपयोग पशुओं को खिलाने के लिए किया जा सके। पशु आहार का मुख्य भाग फसल अवशेषों जैसे गेहूं और धान के फसली अवशेष दलहनी फसलों के अवशेष एवं विभिन्न प्रकार के घासों से प्राप्त होता है। पशुपालक इन फसली अवशेषों एवं घासों को पुआल के रूप में अथवा इनकी कुट्टी बनाकर पशुओं को खिलाता है। इन फसली अवशेषों, हरे चारे एवं घासों को सीधा न खिलाकर इनकी कुटटी काटकर बनाकर खिलाएं इससे कई फायदे होते हैं।

पशु के लिए फायदेमंद

सीधा चारे को पुली के रूप में डालने पर पशु केवल पत्तिया एवं पौधे के नरम-मुलायम भाग को ही खा पाता है। कुट्टी बनाने से चारे का एक सामान मिश्रण बन जाता है। जिसके कारण पशु चारे को बिना खराब किए खा लेता है। कुट्टी बनाने के बाद कम स्वादिष्ट चारे को अधिक स्वादिष्ट चारे के साथ मिलकर उपयोग में ले सकते हैं। सूखे चारे की कुट्टी बनाकर हरे चारे के साथ मिलाकर खिलाने से हरे चारे से होने वाली आफरे की समस्या खत्म हो जाती है। कुट्टी किए हुए चारे को भंडारित करना आसान है। चारे की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए यूरिया से उपचारित किया जाता है।

कुट्टी मशीनों का उपयोग

कुट्टी किया हुआ चारा साबुत चारे की तुलना में अधिक पचता है। संघनित पशु आहार ब्लॉक बनाने से पूर्व भी चारे की कुट्टी करना आवश्यक है। साबुत चारे को चबाने के लिए पशु को अधिक समय लगता है एवं उसमें उर्जा भी अधिक खर्च होती है। कुट्टी करके खिलाने से इससे बचा जा सकता है। चारे को छोटे टुकड़ों में काटने से उसके सतह का क्षेत्रफल बढ़ जाता है। इससे पशुओं के पेट में उपस्थित सूक्ष्म जीव चारे को आसानी से पचा सकते है।

-डॉ. राजेश नेहरा, सहायक आचार्य, राजुवास, बीकानेर

दूध दुहने में रखें सावधानियां: ऐसे प्राप्त करें सेहतमंद दूध

पत्रिका एग्रोटेक डेस्क@जयपुर

दूध जब थन से निकलता है तो स्वच्छ रहता है। लेकिन थन से निकलने के बाद यदि साफ-सफाई का ध्यान सही से न रखा जाए तो बाहरी वातावरण के संपर्क में आकर दूषित हो जाता है। दूषित दूध का सेवन करने से कई बीमारियां हो सकती हैं। इसलिए स्वच्छ दुग्ध का उत्पादन आवश्यक है।

इनका रखें खयाल

जिस पशु से दूध निकाला जा रहा है, वह स्वस्थ हो। पशुओं को साफ जगह पर रखें। दूध दूहने वाला स्वस्थ हो। दुधारू पशुओं में होने वाले रोगों की जांच साल में एक बार करवा लें। दूध दुहने के लिए साफ बर्तन काम में लें। थन को पानी से धोकर ही दूध दुहें। पशुओं के शरीर पर गंदगी नहीं हो। दूध दुहने के तुरंत बाद दुग्ध को पशु से दूर रखना चाहिए।

पशु शेड के आसपास रखें सफाई

शेड का फर्श पानी सोखने वाला नहीं हो, जिससे सफाई आसानी से की जा सके। पशु शेड को किसी ऊंची जगह पर बनाएं, ताकि पानी की निकासी में सुविधा हो। जहां तक संभव हो शेड धूल कण रहित हो, क्योंकि वे जीवाणु को ले जाने के कारक होते हैं। पशु शेड के आस-पास गोबर अपशिष्ट पदार्थ रखने की जगह नहीं हो। इससे शेड की हवा प्रदूषित नहीं होती। दुग्ध को साफ कपड़े-छलनी से छानकर बाल आदि अशुद्धियां हटा दें।

सेवा कर्म निर्जरा का सबसे महत्वपूर्ण साधन है : साध्वी त्रिशला कुमारी

बीकानेर @ पत्रिका. गंगाशहर स्थित शांतिनिकेतन सेवा केंद्र में बुधवार को 'सेवा हस्तांतरण समारोह' का आयोजन किया गया। आचार्य महाश्रमण की सुशिष्या साध्वी त्रिशला कुमारी (ठाणा 8) ने सेवा केंद्र व्यवस्थापिका के रूप में अपना नया दायित्व ग्रहण किया। जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा गंगाशहर की ओर से आयोजित कार्यक्रम में धर्म संघ की वृद्ध साध्वियों की सेवा को ईश्वरीय कार्य बताते हुए आध्यात्मिक हर्ष व्यक्त किया गया। नवनियुक्त व्यवस्थापिका साध्वी त्रिशला कुमारी ने सुबह 8.15 बजे आचार्य श्री तुलसी समाधि स्थल से विहार कर सेवा केंद्र में प्रवेश किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सेवा कर्म निर्जरा का सबसे महत्वपूर्ण साधन है, जिससे संचित कर्मों का क्षय और तीर्थंकर नामकर्म का अर्जन संभव है। इससे पूर्व, एक वर्ष का सफल सेवा कार्यकाल पूर्ण करने वाली साध्वी विशदप्रज्ञा एवं साध्वी लब्धियशा का विदाई और मंगल भावना समारोह मनाया गया। साध्वी मल्लिकाश्री ने अपने भावपूर्ण विचार व्यक्त किए। इस विशेष अवसर पर जैन लूणकरण छाजेड़, अमरचंद सोनी, जतनलाल संचेती और रतनलाल छल्लाणी सहित अनेक गणमान्य श्रावकों ने साध्वी का स्वागत किया और उनके सफल कार्यकाल की मंगल कामना की। संचालन मंजु आंचलिया ने किया।

25 महिलाओं और 10 महिला संगठनों को मिलेगा प्रज्ञा रत्न अवार्ड

बीकानेर @ पत्रिका. नन्दलाल जोशी चैरिटेबल फाउंडेशन की ओर से अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर प्रज्ञा रत्न अवार्ड समारोह 7 मार्च को ऋद्धि सिद्धि पैलेस रानी बाजार में आयोजित किया जाएगा। समारोह में क्षेत्र की 25 विशिष्ट महिलाओं एवं 10 महिला संगठनों को उनके उत्कृष्ट कार्यों एवं महिला सशक्तिकरण में उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया जाएगा। फाउंडेशन पिछले चार साल से यह आयोजन कर महिलाओं को मंच प्रदान कर रहा है। कार्यक्रम से जुड़े अनिल जोशी ने बताया कि बीकानेर सहित प्रदेश की चुनिंदा महिलाओं को सम्मानित किया जा रहा है, जिन्होंने अपने-अपने क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कर समाज को गौरवान्वित किया है। आयोजन समिति का गठन किया गया है। इसमें पुष्पा देवी, सुरेंद्र कुमार बद्धाणी, बसंत नौलखा, रामरतन धारणीया, पवन मेहनोत, मुदित खंजाची, डॉ. विकास परीक आदि शामिल हैं। फाउंडेशन निदेशक पूजा आचार्य ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य समाज में सकारात्मक सोच को बढ़ावा देना एवं महिला शक्ति को सम्मान व प्रोत्साहन प्रदान करना है।

वीर तेजा इलेवन बना विजेता

बीकानेर @ पत्रिका. गवर्नमेंट एम्प्लॉयी प्रीमियर लीग जीईपीएल का फाइनल मुकाबला सादुल स्पोर्ट्स स्कूल क्रिकेट ग्राउंड में वीर तेजा इलेवन एवं मस्त आईटी इलेवन के मध्य खेला गया। टॉस जीतकर वीर तेजा इलेवन ने पहले बल्लेबाजी का निर्णय लिया और निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 159 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए मस्त आईटी इलेवन ने भी शानदार खेल दिखाया और 20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 159 रन बनाकर मैच बराबरी पर ला खड़ा किया। इस प्रकार फाइनल मुकाबला सुपर ओवर में पहुंच गया। सुपर ओवर में पहले बल्लेबाजी करते हुए मस्त आईटी इलेवन मात्र 1 रन बनाकर अपने दोनों विकेट गंवा बैठी। जवाब में वीर तेजा इलेवन ने 1 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल करते हुए रोमांचक जीत दर्ज की। संयोजक राहुल आचार्य ने बताया कि फाइनल मुकाबले में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए रूपाराम को मैन ऑफ द मैच तथा पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन के लिए अक्षय राठौड़ को मैन ऑफ द सीरीज घोषित किया गया। समापन समारोह के मुख्य अतिथियों में बीकानेर पश्चिम के विधायक जेठानंद व्यास, बीकानेर विकास प्राधिकरण के उपयुक्त सुधांशु पांडे, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के अतिरिक्त निदेशक सत्येंद्र सिंह राठौड़, सादुल स्पोर्ट्स स्कूल के प्रधानाचार्य अजय पाल सिंह एवं मनीष जोशी उपस्थित रहे।

जैकेट से जारी...

युद्ध...

यह ईरान की रणनीति तो नहीं...सस्ता ड्रोन...महंगी मिसाइलः रक्षा विशेषज्ञों का मनना है कि ईरान ने अभी अपनी घातक मिसाइलों का इस्तेमाल नहीं किया है। यह ईरान की रणनीति का हिस्सा हो सकता है। ईरान अभी जानबूझकर छोटे और कम मारक क्षमता वाले हथियारों का इस्तेमाल कर रहा है। इसका मकसद इजरायल और अमरीका के एडवांस्ड एयर डिफेंस सिस्टम को पूरी तरह थकाना है। जब आयरन डोम और थाड के मिसाइलें खत्म हो जाएगी तब ईरान अपना सबसे बड़ा और विनाशकारी प्रहार करेगा। गौरतलब है कि ईरान शाहेद टाइप के ड्रोन का इस्तेमाल कर रहा है। इसे बनाने में करीब 35,000 डॉलर का खर्च आता है। इनके हमलों को बेअसर करने के लिए इस्तेमाल होने वाली इंटरसेप्टर मिसाइलों की कीमत लाखों डॉलर होती है। ऐसे में ईरान हर दिन हजारों ड्रोन लॉन्च करता है तो इसे इंटरसेप्ट करने की लागत तेजी से बढ़ सकती है, जिसे संभालना अमरीका के लिए भी भारी पड़ सकता है।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने साइप्रस के विदेश मंत्री से हालात पर चर्चा की है। पश्चिम एशिया और खाड़ी क्षेत्र में मौजूदा स्थिति को देखते हुए विदेश मंत्रालय में नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है।

ईरान ने सऊदी अरब की सबसे बड़ी तेल रिफाइनरी अरामको की रास तनुरा पर बुधवार को फिर ड्रोन हमला किया। इसे सोमवार को हमले के बाद बंद कर दिया गया था। इस बीच बुधवार को ईरान की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के सचिव अली लारीजानी ने कहा, ट्रंप ने नेतन्याहू के साथ मिलकर अपनी हास्यास्पद हरकतों से अमरीकी जनता को ईरान के साथ अन्यायपूर्ण युद्ध में घसीटा है। इमाम खामेनेई की शहादत की उन्हें भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने कहा कि क्षेत्र की सुरक्षा और स्थिरता पड़ोसी देशों की सामूहिक कोशिशों से ही संभव है और संप्रभुता का सम्मान अनिवार्य है। 'एक्स' पर संदेश में उन्होंने बताया कि ईरान ने कूटनीति से युद्ध टालने की कोशिश की, लेकिन 'अमरीकी-जायोनी सैन्य आऱ्मकता' के कारण ईरान को आत्मरक्षा के लिए बाध्य होना पड़ा।

ओमान में नागौर जिले के युवक की मौतः मेड़ता सिटी (नागौर). ओमान तट के करीब क्रूड ऑइल टैंकर पर ईरानी हमले में मारे गए भारतीय की पहचान राजस्थान में नागौर जिले के खींवताना गांव निवासी दलीप सिंह तंवर पुत्र कानसिंह की मौत हो गई। हालांकि अभी तक शव नहीं मिलने से अधिकारिक तौर पर पुष्टि नहीं हो सकी है। परिजनों के अनुसार दलीप से अंतिम बार 28 फरवरी को बात हुई थी, तब उसने कहा था सब कुछ ठीक है। परिवार ने जनप्रतिनिधियों से दलीप सिंह का शव भारत लाया जाए, ताकि अंतिम संस्कार किया जा सके।

सस्ता ड्रोन और महंगी मिसाइलः एयर डिफेंस को थका रहा ईरान...रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि ईरान ने अभी अपनी घातक मिसाइलों का इस्तेमाल नहीं किया है। यह ईरान की रणनीति का हिस्सा हो सकता है। ईरान अभी जानबूझकर छोटे और कम मारक क्षमता वाले हथियारों का इस्तेमाल कर रहा है। इसका मकसद इजरायल और अमरीका के एडवांस्ड एयर डिफेंस सिस्टम को पूरी तरह थकाना है। जब आयरन डोम और थाड के मिसाइलें खत्म हो जाएगी तब ईरान अपना सबसे बड़ा और विनाशकारी प्रहार करेगा। गौरतलब है कि ईरान शाहेद टाइप के ड्रोन का इस्तेमाल कर रहा है। इसे बनाने में करीब 35,000 डॉलर का खर्च आता है। इनके हमलों को बेअसर करने के लिए इस्तेमाल होने वाली इंटरसेप्टर मिसाइलों की कीमत लाखों डॉलर होती है। ऐसे में ईरान हर दिन हजारों ड्रोन लॉन्च करता है तो इसे इंटरसेप्ट करने की लागत तेजी से बढ़ सकती है, जिसे संभालना अमरीका के लिए भी भारी पड़ सकता है।

ईरानी...

दूसरे विश्वयुद्ध के बाद पहला मौका है कि जब किसी जहाज पर तारपीडो से हमला किया गया है। यह युद्धपोत पिछले माह भारत के विशाखापट्टनम में आयोजित 2026 इंटरनेशनल फ्लीट रिव्यू में हिस्सा लेकर लौट रहा था। इजरायल ने भी ईरान की राजधानी तेहरान सहित अन्य शहरों और लेबनान में हिजबुल्ला के ठिकानों पर मिसाइलें दागीं। उधर ईरान ने बुधवार को कतर, यूएई और तुर्की के हवाई क्षेत्र में मिसाइलें दागी। तुर्की पर नाटो के एयर डिफेंस सिस्टम ने रोका तो यूएई, कतर ने भी मिसाइलों को रोकने का दावा किया है। इस बीच खाड़ी देशों के तेल ठिकानों पर हमले और होर्मुज पर ईरानी नियंत्रण के बाद अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 85 डॉलर प्रति बैरल जा पहुंचा, जो जुलाई 2024 के बाद अपने उच्चतम स्तर पर है। ईरान के आक्रमक हमले के बाद अमरीका ने सऊदी अरब और कुवैत में अपने दूतावास अस्थायी रूप से बंद कर दिए। युद्ध में अब तक खुलकर सामने आने से बच रहे चीन ने अमरीकी हमलों का विरोध जताया है। चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने कहा, बल प्रयोग समस्याओं का समाधान नहीं देता, बल्कि गंभीर परिणाम पैदा होते हैं। उधर ईरान की सैन्य इकाई रिवोल्यूशरी गाडर्स ने अमरीका और इजरायल के ख्लिाफ हमले तेज करने की चेतावनी दी है। प्रवक्ता अली मोहम्मद नैनी ने कहा है कि अमरीका और इजरायल पर हल पर 'नरक के दरवाजे' और अधिक खुलेंगे।

ब्रिटेनः ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर का कहना है कि वह युद्ध में सीधे तौर पर शामिल नहीं है। लेकिन क्षेत्र में उसकी सेनाएं अपने सहयोगियों की मदद करेगी। हाल में साइप्रस में मौजूद ब्रिटेन के सैन्य बेस से दो मिसाइलें दागी गई थी। इसके बाद ईरान ने पलटवार भी किया था।

यूरोपीय देशः यूरोप के देशों के अलग-अलग रुख है। जर्मनी, ऑस्ट्रिया और चेक गणराज्य अमरीका और इजरायल के रुख का खुलकर समर्थन कर रहे हैं। फ्रांस और यूरोपीय संघ के अधिकतर देश इजरायल के आत्मरक्षा के अधिकार को मानते हैं, लेकिन अंतरराष्ट्रीय कानून का पालन और तत्काल युद्धविराम चाहते हैं। स्पेन ने जरूर अमरीकी हमलों का खुलकर विरोध किया है।

भारत...

हालांकि इससे निपटने के लिए भारत रणनीतिक तेल भंडार और रिफाइनरी स्टॉक का इस्तेमाल कर सकता है। वहीं रूस, अमरीका, अफ्रीका और लैटिन अमरीका से वैकल्पिक सप्लाई बढ़ा सकता है। फिलहाल संकेत हैं कि आगामी कुछ हफ्तों तनाव रहेगा व आंशिक नाकेबंदी जारी रह सकती है। इस बीच शेयर बाजार में गिरावट और रुपए में कमजोरी का दौर चल सकता है। युद्ध का दायरा सीमित होने व तेल सप्लाई के वैकल्पिक रास्ते सुचारु होने पर ही स्थिति स्थिर होगी।

पेज 01 का शेष...

जहाज...

इधर, पड़ोसी गांव का सुनील कुमार पूनिया भी उसी जहाज पर ड्यूटी कर रहा था। उसकी ड्यूटी सुबह 4 बजे समाप्त हुई थी और उसकी जगह दलीप ने काम संभाला था।

एक वर्ष पहले मर्चेंट नेवी जॉइन की लापता युवक के छोटे भाई देवेंद्र सिंह ने बताया कि दलीप सिंह ने करीब एक वर्ष पहले मर्चेंट नेवी जॉइन की थी। उसे मुंबई की निजी कंपनी एसकेएस कृषि मरीन सर्विसेज (ओपीसी) प्राइवेट लिमिटेड में नौकरी मिली थी।

एक साल ड्यूटी करने के बाद वह घर आया था और करीब छह महीने गांव में रहने के बाद गत 22 जनवरी को मुंबई लौटा था। इसके बाद 23 जनवरी को स्काइलाइट क्रूड ऑयल जहाज मुंबई से ओमान के लिए रवाना हुआ था।

होटल

होटल में लहूलुहान हालत में मुन्नीराम मंडा, प्रभुराम, भीखमचंद और श्रवण कुमार को टांटिया सीएचसी पहुंचाया गया। बाद में उन्हें सुजानगढ़ रैफर किया गया, जहां मुन्नीराम को मृत घोषित कर दिया गया। परिजनों ने बताया कि मुन्नीराम को पहले से आशंका थी और इस संबंध में पुलिस को शिकायत भी दी गई थी। मौत की सूचना पर ग्रामीणों ने होटल के सामने और श्रीडूंगरगढ़ तिराहे पर जाम लगा दिया। प्रशासनिक अधिकारियों की समझाइश के बाद जाम खुलवाया गया।

सात के खिलाफ मामला दर्ज : बीदासर थाने में हत्या, हत्या के प्रयास, हत्या के षड्यंत्र, अवैध हथियारों से फायरिंग आदि को लेकर ढाणी कालेरान निवासी रामरतन की रिपोर्ट पर ढढेरू निवासी देवीसिंह, राजू नेहरा, धन्नाराम ढाणी कालेरान, सुभाष गोदारा, सदाम अली, हाकम अली, कमल खैरिया निवासी बीदासर और अन्य के खिलाफ नामजद मामला दर्ज हुआ है।

2022 तक दोस्ती और फिर दुश्मनी : सूत्रों के अनुसार 2022 तक मृतक मुन्नीराम मंडा और देवीसिंह साझेदारी में शराब का काम करते थे। बाद में दोनों में किसी बात को लेकर झगड़ा होने पर दोस्ती टूट गई। इसके बाद से दोनों अलग-अलग शराब कारोबार करने लगे। इसके बाद देवीसिंह ने होटल बनाया तो मुन्नीराम ने भी होटल बनाकर शुरू कर दिया।

डॉ. सत्य प्रकाश आचार्य का स्वागत

बीकानेर @ पत्रिका. भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता डॉ. सत्य प्रकाश आचार्य को लगातार 12वीं बार भाजपा राजस्थान की प्रदेश कार्यसमिति में सदस्य मनोनीत किए जाने पर जिला महामंत्री श्याम सिंह हाडला एवं जिला उपाध्यक्ष एडवोकेट अशोक प्रजापत के नेतृत्व में स्वागत व अभिनंदन किया। इस अवसर पर जिला महामंत्री हाडला ने कहा कि डॉ. आचार्य का 12वीं बार प्रदेश कार्यसमिति में चयन होना उनके विशाल अनुभव और पार्टी के प्रति उनके समर्पण का प्रमाण है। जिला उपाध्यक्ष एडवोकेट प्रजापत ने कहा कि उनके मार्गदर्शन में बीकानेर भाजपा को सदैव मजबूती मिली है और आगे भी उनके अनुभव का लाभ कार्यकर्ताओं को मिलता रहेगा। स्वागत के दौरान माणक कुमावत, किशन संवाल, अर्जुन कुमावत, त्रिलोक गेधर, आशुराम बोबरवाल, श्रवण बोबरवाल सहित अन्य उपस्थित रहे।

बैंक ऑफ़ इंडिया रिश्तों की जमापूंजी
जयपुर एआरबीः लक्ष्मी कॉम्पलैक्स भवन, सुभाष मार्ग सी–स्कीम, जयपुर, राजस्थान–302001
ई–मेलः ARB.jaipur@bankofindia.bank.in

परिशिष्ट-IVक {नियम 8(6) सपठित नियम 9(1) का परन्तुक देखें}
अचल सम्पत्ति के विक्रय हेतु ई–नीलामी विक्रय नोटिस

प्रतिभूत हित (प्रर्वतन) नियम, 2002 के नियम 8(6) सपठित नियम 9(1) के परन्तुक के साथ पठित वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम 2002 के अधीन अचल आस्तियों के विक्रय हेतु ई–नीलामी विक्रय नोटिस
आम लोगों को तथा विशेष रूप से उधार लेने वाले और प्रत्याभूति–दाता को यह नोटिस दिया जाता है कि नीचे वर्णित अचल सम्पत्ति जो प्रतिभूत लेनदार के पास बंधक हैं, का **सांकेतिक कब्जा** प्रतिभूत लेनदार **बैंक ऑफ इण्डिया, जयपुर एआरबी (7446)** के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा लिया गया है, को **"जहां है, जैसी है, और जो कुछ भी है", और "दायित्व रहित"** के आधार पर निम्न वर्णित खातों में वसूली हेतु बेचा जाएगा। ऋणी, गारन्टर, प्रत्याभूति–दाता, ज्ञात ऋण भार सहित अचल सम्पत्तियां, बकाया आरक्षित मूल्य, ई–नीलामी की दिनांक व समय, अग्रिम धनराशि, बोली वृद्धि राशि, सम्पत्ति निरीक्षण की दिनांक व समय, अग्रिम धनराशि जमा की अन्तिम दिनांक व समय का विवरण निम्न तालिका अनुसार होगा।

ई–नीलामी की दिनांक व समय : 25/03/2026; प्रातः 11:00 बजे से सांय 05:00 बजे तक (10 मिनिट की असीमित समयावृद्धि के साथ)
ईएमडी जमा करवाने की अन्तिम दिनांक व समयः 24/03/2026 सांयः 04:00 बजे तक
सम्पत्ति निरीक्षण की दिनांक व समयः 18/03/2026 दोपहर 12:00 से 03:00 बजे तक
डिमाण्ड नोटिस दिनांक व बकाया राशिः 19/06/2025; कुल रू. 3,08,89,679.99/- दिनांक 18/06/2025 को + इसके आगे का प्रयुक्त ब्याज, लागत, प्रभार एवं अन्य खर्चे इत्यादि
वर्तमान बकाया राशि : रू. 308.90 लाख प्लस यूसीआई एवं अन्य कानूनी खर्चे+ इसके आगे का प्रयुक्त ब्याज, लागत, प्रभार एवं अन्य खर्चे इत्यादि
ऋणी एवं गारण्टर का नाम एवं पता 1. मैसर्स डिवाईन स्टील कॉर्पोरेशन (ऋणी एवं बंधककर्ता) इसके पार्टनर्स के माध्यम से, पंजीकृत पताः- पट्टा नं. 176, मिसल नं. 128, नाथूसर गेट के बाहर, मुख्य करमीसर रोड, पेट्रोल पम्प के आगे, मुरलीधर व्यास कॉलोनी, जिला- बीकानेर, राजस्थान-334001; 2. श्री सौरभ धुस्सा पुत्र श्री अशोक कुमार (गारण्टर एवं पार्टनर एवं मोर्गेजर) फर्म का पंजीकृत पताः- पट्टा नं. 176, मिसल नं. 128, नाथूसर गेट के बाहर, मुख्य करमीसर रोड, पेट्रोल पम्प के आगे, मुरलीधर व्यास कॉलोनी, जिला-बीकानेर, राजस्थान-334001, पता :- 1-डी-113, 114, जय नारायण व्यास कॉलोनी, बीकानेर, राजस्थान-334001; 3. श्रीमती रेखा धुस्सा पत्नी श्री सौरभ धुस्सा (गारण्टर एवं पार्टनर एवं मोर्गेजर) फर्म का पंजीकृत पता- पट्टा नं. 176, मिसल नं. 128, नाथूसर गेट के बाहर, मुख्य करमीसर रोड़, पट्रोल पम्प के आगे, मुरलीधर व्यास कॉलोनी, जिला- बीकानेर, राजस्थान-334001, पताः 1-डी-113, 114, जय नारायण व्यास कॉलोनी, बीकानेर, राजस्थान-334001

—प्रत्याभूति–दाता एवं अचल सम्पत्ति का ब्यौरा ज्ञात प्रभारों के साथ—
मैसर्स डिवाईन स्टील कॉर्पोरेशन जरिये इसके पार्टनर्स श्री सौरभ धुस्सा पुत्र श्री अशोक कुमार एवं श्रीमती रेखा धुस्सा पत्नी श्री सौरभ धुस्सा की पट्टा नं. 176, मिसल नं. 128, नाथूसर गेट के बाहर, मुरलीधर व्यास कॉलोनी, करमीसर रोड बीकानेर (राज.) स्थित आवासीय सम्पत्ति (बैंक में उपलब्ध रिकार्ड के अनुसार क्षेत्रफल 19549.25 वर्गफीट); सीमाएंः– पूर्व में रास्ता, पश्चिम में रास्ता, उत्तर में रास्ता, दक्षिण में अन्य सम्पत्ति   ऋण भार :– ज्ञात नहीं।

आरक्षित मूल्य	अग्रिम धनराशि	बोली वृद्धि राशि
रू. 4,27,61,000/- (चार करोड़ सत्ताईस लाख इकसठ हजार रूपये)	रू. 42,76,100/- (बियालिस लाख छिहत्तर हजार एक सौ रूपये)	रू. 25,000/- (पच्चीस हजार रूपये)

नोट– उक्त प्रकरण में माननीय ऋण वसूली प्राधिकरण के समक्ष एक सिक्योरिटाईजेशन प्रार्थना पत्र नं. 872/2025 विचाराधीन है।
विक्रय के निबंधन और शर्तो के ब्यौरे के लिए कृपया नीचे दिए गए बैंक ऑफ इण्डिया, जयपुर एआरबी (7446) मो. नं. 9982100282 प्रतिभूत लेनदार की वेबसाईट अर्थात् https://bankofindia.bank.in तथा https://baanknet.com देखें।
तारीखः 02/03/2026 स्थानः जयपुर (राज.) प्राधिकृत अधिकारी, बैंक ऑफ इण्डिया